

2011

10/10/22

पुनः

महाराष्ट्र

आज पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी अखिल
 आये। वकील प्रार्थी ने प्रार्थी के प्राप्ति 09R13
 जा.दी. की नोट प्रस में कारिब किये जाने का निवेदन
 किया। सुना गया। स्वीकार घोष्य पाये जाने की स्थिति
 में स्वीकार किया जाता है। अतः प्रार्थी के प्राप्ति
 09R13 जा.दी. की नोट प्रस में कारिब किया जाता
 है। पत्रावली की अग्रिम कार्यवाही इसी स्तर पर शेष
 की जाती है। पत्रावली के सब शुमार होकर नम्बर से
 कम ही। बंद समीप जमा बिला लेख भण्डार हो।
 सुनाया गया।

7

